MR. DEPUTY-SPEAKER : I want you to put the questions.

श्री जगन्नाथ राव जोशी : तो मैं यह जानना चाहता हू वनस्पति जब गायब है और यह आशीर्वाद दे रहे हैं, कहते है हमने आवश्यकता पूछी है और सप्लाई करेंगे । इस तरह से नही होगा । आवश्यकता तेल के सीड्स की है । मूगफली के तेल मे कहां तक हो सकता है ? पिछले दिनो सोयाबीन, रेपसीड आयल, पाम आयल की जहा तक बात है

the latest new-fangled idea is to bring out cotton-seed oil

आखिर इन सब का हिसाब क्या है ? कच्चे माल की पूर्ति करने की दृष्टि से मन फलावर, रेपसीड, पाम आयल इनका आयात कितना हो कि आगे चलकर गडबडी न हो, केवल यह कहने से काम नही चलेगा कि हर इडस्ट्री का टेक ओवर कर लिया जाये । यह ठीक नही है, स्केसिटी से ही ब्लैक-मार्केट चलती है । तो आपूर्ति कैसे हो ठीक ढग से चीनी के बारे मे ? जब उत्पादन न हो आवश्यकता के अनुसार और उसके लिए जो कच्चे माल की जरूरत है उसकी अपूर्ति कैसे करेंगे ? आयात करेंगे, बाहर से कहा से लायेंगे ? कनाडा ने जो एक लाख टन देने की कोशिश की थी उस क्यो नही लिया ? आज इसी दिल्ली मे लोग कडी धूप मे लाइन लगाकर खडे है, उनका पता चलना है कि चीज गायब है । यहा पर सुपर बाजार की जो आवश्यकता थी उसकी पूर्ति आप क्या नही कर रहे हैं ? यहा की आवश्यकता को आप कब तक पूर्ण करेंगे ? कपडा मिलो की हडताल हो गई तो उसका आपने बहाना ले लिया । इसमे केवल एक दिन की हडताल हुई ।

MR. DEPUTY-SPEAKER . Is the hon. Member giving information to the House or is he putting questions? He should frame his question and not go on making a speech.

SHRI JAGANNATH RAO JOSHI : I could not follow it because the hon. Minister says that one man will not get more than 1 Kg. and one family will not get less than 1 Kg.; what does this mean? I do not understand what it means.

इसमें एक जगह बताया है कि एक व्यक्ति को एक किलो से ज्यादा नही मिलेगा और एक परिवार को एक किलो से कम नही मिलेगा तो फिर मिलेगा कितना ? यानि सबको एक किलो मिलेगा ? मतलब क्या है ? अगर हिन्दी गलत है तो हो सकता है मेरी समझ मे न आया हो । जब ऐसा वक्तव्य हो तो कहना पड़ेगा पुराने जमाने मे जैसा सुनते थे कि रोम जल रहा था तो नीरो बैठकर बासुरी बजा रहा था उसी तरह से जनता धूप मे तड़प रही है और मत्री महोदय बसी बजा रहे हैं । तो जो सवाल मैंने उठाए है मत्री जी उनका ठीक जवाब दे ।

प्रो० शेर सिंह · माननीय सदस्य ने जो अतिम प्रश्न किया है पहले मैं उसी का जवाब देना चाहता हू । उन्होंने जो यह बात कही कि एक किलो से ज्यादा एक व्यक्ति को नही और एक किलो से कम एक परिवार को नही, इसका मतलब यह है कि मैक्सिमम और मिनिमम रख दिया है इसके अदर अधिक से अधिक और कम से कम । यह इसलिए किया कि शहरो मे कई जगह, जिस समय कन्ट्रोल हुआ तो बम्बई शहर मे दो किलो फी आदमी देने लगे और देहात मे एक परिवार को एक किलो भी नही मिलता था, कभी मिल गया और कभी नही मिला, आधा किलो भी नही मिलता था । इसलिए हमने यह फैसला किया कि आपको देहात मे भी कम से कम एक परिवार को एक किलो देना चाहिए और बडे से बडे शहर मे भी एक किलो प्रति व्यक्ति से ज्यादा नही देना चाहिये। (व्यवधान)

SHRI S. M. BANERJEE : On a point of order. . .

MR DEPUTY-SPEAKER : I have not allowed him The hon. Minister may continue

SHRI S. M. BANERJEE : I have a point of order about the statement itself. . .

MR. DEPUTY-SPEAKER : I have not allowed him. There is no point of order, when the Minister is giving his reply. If there is a point of order, then this interruption is the point of order.

SHRI S. M. BANERJEE : About the statement, I have a point of order.

MR. DEPUTY-SPEAKER : A point of order is with relation to the order in the House. An hon. Member may not like what the hon. Minister has said, and he may not agree with him, that is a different question, but that cannot be a point of order The hon. Minister may now continue his reply.

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER : When I am on my legs, the other hon. Members must sit down. This is the point of order now. The difficulty is that the moment Members raise some objections, the hon. Minister is too quick to sit down and yield.

So I am helpless If you do not yield, there is no point of order (*Interruptions*)

13. Hrs.

There is no point of order I am not admitting any.

SHRI S. M BANERJEE· On a point of submission

MR. DEPUTY-SPEAKER · Not in the midst of the Minister's speech. (*Interruptions*).

Order, order Mr. Banerjee, I know that you feel very deeply or very excited about these things. If I go into the record, I think I will find that you have interrupted one dozen times over this question. (*Interruption*).

I won't allow you any more Kindly understand Please co operate.

प्रो० शेर सिंह उपाध्यक्ष महोदय, मैंने निवेदन किया था कि हम ने सीमायें निर्धारित की हैं कि कम से कम गाव के अदर भी हर परिवार को मिले और किसी शहर मे भी चाहे कितना ही बड़ा शहर हो उस मे भी एक किलो से ज्यादा नही मिलेगी । व्यवधान

MR. DEPUTY-SPEAKER : Order, Any kind of interruptions without permission will not go on record

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER· Order, order. order Will you sit down ?

प्रो० शेर सिंह : मैंने जो कहा कि यह गाइडलाइन्स हैं, इस का मतलब यह नही है कि शहर मे एक किलो दे और गावो मे कम दे । बल्कि राज्यों के ऊपर है चाहें तो बराबर भी दे सकते है । इसलिये गुजरात मे आन्दोलन चला, वहा के लोगो ने यह बात उठायी कि देहात और शहर मे अन्तर क्यो है । उसके बाद गुजरात ने फैसला किया कि देहात और शहर को बराबर दी जायेगी । पजाब मे भी देहात और शहर मे बराबर दे रहे है हरियाणा मे भी शहर और गाव मे बराबर दे रहे है । (व्यवधान)

मैंने कहा कि राज्य सरकारो पर छोड रखा है । मध्य प्रदेश वाले भी बराबर कर दे तो हम उस का स्वागत करेंगे । (*Interruptions*)

MR DEPUTY-SPEAKER Order, please Are you aware of the rules of the House? Order, please Will you kindly sit down? (*Interruptions*). That is no reason why we should throw the rules to the four winds This Calling Attention motion is being discussed Only those whose names have appeared under the Motion can ask questions. You cannot come up suddenly and ask any question. (*Interruptions*)

MR DEPUTY-SPEAKER : I listen to change the rules, you can Now, the Minister may kindly finish.